सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 13 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 302, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड ग्वालटोली में केडीए ने एक करोड़ की भूमि कराई मुक्त... » Pg02

बरेलीः एग्जिट पोल के नतीजे होंगे धराशाई, तेजस्वी की बनेगी सरकार

» Pg12

सफेदपोश मॉड्यूल को डीकोड करने में जुटीं जांच एजेंसियां

कश्मीर में 500 ठिकानों पर छापेमारी, हिरासत में 600

पंजाब में ग्रेनेड अटैक मॉड्यूल का भंडाफोड़, 10 आतंकी गिरफ्तार, ईडी के निशाने पर आई अल-फलाह यूनिवर्सिटी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लुधियाना/लखनऊ। दिल्ली के लाल किला के पास कार बम धमाके के बाद एजेंसियां हरकत में हैं। इस धमाके का कनेक्शन जम्मू-कश्मीर से जुड़ा है तो वहां तक एजेंसियां अब संदिग्धों की तलाश में हैं। धमाके के बाद से अब तक जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 500 जगहों पर रेड मारी है और 600 लोगों को हिरासत में लिया है। यह छापेमारी जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ हुई है। एजेंसियों का कहना है कि हमें यह इनपुट मिला था कि जमात-ए-इस्लामी फिर से खुद को जम्मू-कश्मीर में खड़ा करने की तैयारी में है। इसके बाद ही यह ऐक्शन लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि श्रीनगर, कुलगाम, पुलवामा, शोपियां, बारामूला समेत कई जिलों में छापेमारी की गई है।

इस बीच डॉक्टर मॉड्यूल पर भी ऐक्शन हुआ है। तीन सरकारी कर्मचारियों समेत करीब 10 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने रात भर की छापेमारी के दौरान अनंतनाग, पुलवामा और कुलगाम जिलों से संदिग्धों को हिरासत में लिया। दिल्ली में सोमवार को लाल किला के पास हुए विस्फोट के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने घाटी में आतंकी तंत्र के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। लाल किला के पास हुए विस्फोट में अब तक कुल 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

अधिकारियों ने बताया कि संदिग्धों से पूछताछ में पता चला है कि उनमें से कुछ पिछले एक साल में तुर्किये भी गए थे। विस्फोटकों के भारी जखीरे की बरामदगी के सिलसिले में डॉक्टरों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि जांचकर्ताओं ने अब तक 'सफेदपोश आतंकी' मॉड्यूल के सिलसिले में 200 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। इस मॉड्यूल का खुलासा आतंकवादियों के दो गुर्गों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर किया गया, जिन्हें इस महीने की शुरुआत में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में ही 200 ठिकानों पर और श्रीनगर में 150 ठिकानों पर छापेमारी की गई है।

बारामूला के सोपोर में पुलिस ने 30 ठिकानों पर छापेमारी की है। एजेंसियों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से अतिवाद बढ़ाने के लिए जमात-ए-इस्लामी ऐक्टिव है। इसकी जानकारी मिलने पर हमने ऐक्शन लिया है। छापेमारी के दौरान अतिवादी सामग्री मिली है। इसके अलावा कुछ गैजेट्स और प्रतिबंधित संगठन के पोस्टर आदि पाए गए हैं। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ जारी है। बता दें कि पहले भी जम्मू-कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी एक सिरदर्द रहा है।

वहीं दूसरी ओर लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ्ढ से प्रेरित ग्रेनेड हमला मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने विदेशी हैंडलरों के 10 प्रमुख ऑपरेटिवों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मॉड्यूल पंजाब में अशांति फैलाने के लिए किसी भीड़भाड़ वाले इलाके में ग्रेनेड हमला करने की साजिश रच रहा था। गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तानी हैंडलरों के इशारे पर काम कर रहे थे।

डॉ. निसार-उल-हसन की बेटी हिरासत में!

दिल्ली आतंकी हमले से जुड़ी जांच में नया मोड़ आया है, डॉक्टर निसार-उल-हसन की बेटी को पूछताछ के लिए पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे दिल्ली में में हुए आतंकी हमले के मामले में पूछताछ की जा रही है। अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत डॉ. निसार-उल-हसन पहले डॉक्टर एसोसिएशन कश्मीर का अध्यक्ष रह चुका है।

मलेशिया-पाकिस्तान संपर्क

जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ग्रेनेड उठाने और वितरित करने के समन्वय के लिए मलेशिया में स्थित तीन ऑपरेटिवों के माध्यम से पाकिस्तान आधारित हैंडलरों से जुड़े हुए थे। उनका मुख्य उद्देश्य किसी आबादी वाले क्षेत्र में विस्फोटक हमला करना था। गिरफ्तार 10 ऑपरेटिवों का संपर्क सीधे पाकिस्तान स्थित हैंडलरों से था।

इस आईपीएस ने किया मौलवी-डॉक्टर साजिश का पर्दाफाश

विगत 19 अक्टूबर की रात श्रीनगर के नवगाम-बुनपोरा इलाके में अचानक जैश-ए-मोहम्मद के पोस्टर चिपकाए गए तो ज्यादातर स्थानीय लोगों ने इसे कश्मीर के पुराने उथल-पुथल भरे दौर की एक और झलक समझकर अनदेखा कर दिया। लेकिन श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती को यह किसी बड़ी साजिश का संकेत लगा। उन्होंने उसी रात यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और आर्म्स एक्ट के तहत नवगाम थाने में मामला दर्ज करने का आदेश दिया। नवगाम पोस्टर प्रकरण डॉ. चक्रवर्ती के करियर की सबसे जटिल जांचों में से एक माना जा रहा है- जिसने मौलवी, डॉक्टर और मॉड्यूल्स के असामान्य गठजोड़ को उजागर किया।

लाल किले पर दिखी 'लेडी सिंघम' शाहिदा परवीन

इस सनसनीखेज मामले की जांच अब देश के टॉप पुलिस अधिकारियों के हाथों में है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के साथ-साथ कई आईपीएस अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें सबसे चर्चित नाम है कश्मीर की बहादुर महिला आईपीएस अधिकारी शाहिदा परवीन गांगुली का, जिन्हें लेडी सिंघम और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। धमाके के तुरंत बाद उन्हें लाल किले की उस जगह पर देखा गया, जहां विस्फोटक से लदी कार फटी थी।

दिल्ली बम ब्लास्ट से जुड़ी तीसरी कार भी बरामद

लाल कार के बाद दिल्ली बम धमाके से जुड़ी तीसरी कार भी आज मिल गई। यह कार डॉक्टर शाहीन सईद के नाम पर है और अल फलाह यूनिवर्सिटी के एक कॉलेज के अंदर खड़ी मिली है। मौके पर बम स्क्वॉड टीम इस कार की जांच के लिए पहुंच चुकी हैं। इसके पहले कल रात एक लाल ईको स्पोर्ट कार, जो दिल्ली के राजौरी गार्डन आरटीओ में पंजीकृत थी, बुधवार को उत्तर प्रदेश के फरीदाबाद की सीमा से सटे खंडावली गांव के पास उमर के एक परिचित के फार्महाउस के बाहर खड़ी मिली थी।

हापुड़ से मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर को उठाया

हापुड़ के पिलखुवा स्थित जीएस मेडिकल कॉलेज में तैनात असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर फारूक को दिल्ली पुलिस ने उठा लिया है। उसे पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। जिस डॉक्टर को दिल्ली पुलिस ने उठाया है वह जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। उसने फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस किया है। डॉक्टर फारूक करीब दो ढाई साल से जीएस मेडिकल कॉलेज के कैंपस में ही रह रहा था।

तीसरी कार डॉक्टर शाहीन सईद के नाम पर है रजिस्टर्ड

ग्वालटोली में केडीए ने एक करोड़ की भूमि कराई मुक्त

» अवैध कब्जों पर केडीए की कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने को अवैध कब्जों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए ग्वालटोली क्षेत्र में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। उपाध्यक्ष और सचिव के निर्देशन में जोनल प्रभारी अधिकारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

केडीए जोन-1 के अंतर्गत ग्वालटोली में भवन संख्या 12/298 और 12/299 के टीन शेड, बाउंड्रीवाल तथा कच्चे-पक्के निर्माण को हटाकर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई भूमि की अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई गई है। केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने जनमानस से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति शासकीय भूमि पर कब्जा या अतिक्रमण न करे। ऐसा करने पर संबंधित के खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने बताया कि इस तरह की कार्यवाही भविष्य में भी लगातार अभियान के रूप में जारी रहेगी।

इस अभियान में विशेष कार्याधिकारी भूमि बैंक बृजेन्द्र उपाध्याय, जोन-1 प्रभारी अधिकारी सी.बी. पाण्डेय, प्रवर्तन प्रभारी, अवर अभियंता संतोष कुमार व हिमांशु बर्नवाल, अमीन प्रदीप कुमार व सोहन लाल सहित सुपरवाइजर एवं थाना ग्वालटोली पुलिस बल मौजूद रहा।

15 को मोतीझील में ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो

मोतीझील में सुंदर व दुर्लभ नस्लों के श्वान होंगे आकर्षण का केंद्र, साथ ही होगा नि:शुल्क टीकाकरण व पंजीकरण

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। शहर में इस सप्ताहांत पशु प्रेमियों के लिए खास आयोजन होने जा रहा है। कानपुर नगर निगम और कानपुर केनल वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी शनिवार, 15 नवम्बर 2025 को मोतीझील मैदान में भव्य ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा।

देशभर से आई सुंदर, प्रशिक्षित और दुर्लभ नस्लों के श्वान इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर कानपुर की महापौर प्रमिला पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विजेता श्वानों को ट्रॉफी, पदक और केनल क्लब ऑफ इंडिया की ओर से प्रमाणपत्र (Certificate of Merit) प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम की ओर से सभी श्वानों, पालतू और निराश्रित दोनों के लिए नि:शुल्क एंटीरेबीज़ टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है। वहीं, नागरिकों के लिए पालतू श्वानों का ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण भी किया जाएगा। इसके लिए श्वान मालिकों को अपने आधार कार्ड के साथ श्वान लाना अनिवार्य होगा।

पंजीकृत श्वान मालिकों को नि:शुल्क गिफ्ट पैक दिए जाएंगे, जिनमें डॉग फूड, डीवॉर्मिंग दवाएँ और आपातकालीन औषधि किट शामिल होंगी। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा बेघर और असहाय श्वानों के लिए डॉग मैट्रेस (Dog Mattresses) भी एनजीओ और पशु प्रेमी संगठनों के सहयोग से वितरित किए जाएंगे।

सीवीओ डॉ आरके निरंजन के अनुसार, यह आयोजन पशु कल्याण, मानवीय संवेदना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का प्रयास है। मोतीझील में होने वाला यह शो मनोरंजन के साथ जागरूकता का अनोखा संगम बनने जा रहा है, जिसमें शहरवासी अपने परिवारों के साथ बड़ी संख्या में शामिल हो सकते हैं।

डंपरों की टक्कर से होमगार्ड समेत दो की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। सागर-नौबस्ता हाईवे पर तेज रफ्तार दौड़ रहे डंपरों ने बुधवार को अलग-अलग हादसों में ट्रैफिक होमगार्ड समेत दो की जान ले ली। हादसे के बाद दोनों चालक डंपर लेकर भाग निकले। पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी तो वह रोते बिलखते मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बिधनू थाना क्षेत्र के भारू गांव निवासी देवेंद्र सिंह (36) होमगार्ड थे। पत्नी सीमा के अनुसार बुधवार शाम देवेंद्र ड्यूटी करके बाइक से गांव जा रहे थे। बौद्ध नगर मेट्रो स्टेशन के पास पीछे से डंपर ने उसे टक्कर मार दी। सिर के ऊपर से पहिया निकलने से उनकी मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा मछरिया तिराहे के पास हुआ।

शुक्लागंज के नाथूखेड़ा निवासी शरद शुक्ला (44) एक निजी कंपनी में सीनियर फील्ड एक्जीक्यूटिव थे। पत्नी प्राची के अनुसार शरद कंपनी के काम से नौबस्ता गल्ला मंडी जा रहे थे। मछरिया तिराहा के पास हादसे में उनकी जान चली गई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को रोकेगा आईआईटी कानपुर का अद्वय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को रोकने और इसे उपयोगी बनाने की दिशा में अब आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक काम करेंगे। संस्थान ने पर्नो रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर अद्वय - द प्लास्टिक सर्कुलैरिटी इनोवेशन लॉन्चपैड की शुरुआत की है। इस तकनीक से न केवल प्लास्टिक के दुष्प्रभावों रुकेंगे बल्कि इसका व्यवसायिक उपयोगी भी किया जा सकेगा। बुधवार को संस्थान में इसके लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्लास्टिक का समाधान खोजने के लिए आईआईटी कानपुर ने देशभर से 10 स्टार्टअप को आमंत्रित किया गया है। संस्थान इन स्टार्टअप को न केवल मेंटरशिप बल्कि 20 लाख रुपये तक का फंड भी देगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि इससे सस्टेनेबिलिटी तथा नवाचार आधारित समाधान मिलेगा। पर्यावरण से जुड़ी गंभीर चुनौतियों का भी समाधान होगा। इसका उद्देश्य प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और मूल्य पुनर्प्राप्ति के लिए स्केलेबल और व्यावसायिक रूप से उपयोगी तकनीक विकसित करना है।

मुख्य अतिथि नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहा कि भविष्य में प्रभावी अपशिष्ट को अलग करने और उसको संसाधनों में बदलने जैसी उन्नत तकनीकी भारत में विकसित हों इसके लिए अभी से प्रयास जरूरी हैं। अद्वय के तहत अभी तक पांच स्टार्टअप जुड़े हैं जिसमें इवोक्सिया लैब्स, जुविरन इनोवेशंस,

मुशलूप, पविंग प्लस और स्वच्छ एआई टेक्नोलॉजिस आदि हैं।

पर्नो रिकार्ड इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गगनदीप सिंह सेठी ने कहा कि अद्वय प्लेटफॉर्म उद्योग और अकादमिक जगत को एक साथ लाकर प्लास्टिक के जीवनचक्र को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास है।

स्टार्टअप इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के प्रभारी प्रो. दीपू फिलिप ने कहा कि यह पहल प्लास्टिक अपशिष्ट की चुनौती को सतत औद्योगिक विकास के अवसर में बदलने का प्रयास है।

कानपुर: 'सोते' अफसरों पर शासन ने की सख्त कार्रवाई

» कानपुर सहायक आयुक्त औषधि और ड्रग इंस्पेक्टर मुख्यालय अटैच

» आईएएस रोशन जैकब खुद एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार के साथ पहले कोपरगंज स्थित मेडिकल गोदाम और फिर बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स (विनोद अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल) मेडिकल स्टोर में छापा मारा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आखिर कानपुर में नशीली और नकली दवाओं पर अंकुश न लगाना और कार्य के प्रति घोर लापरवाही की गाज सहायक आयुक्त औषधि दिनेश कुमार तिवारी और ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान पर गिर गई। दोनों अफसरों को मुख्यालय अटैच कर दिया गया। यह कार्रवाई खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन कमिश्नर रोशन जैकब के शहर में औचक निरीक्षण के बात तय मानी जा रही थी।कानपुर में तैनात अधिकारियों की अब तक की कृत कार्यवाही पर्याप्त, समयबद्ध एवं शासन की मंशानुसार प्रतीत नहीं होती है। कानपुर मण्डल में तैनात सहायक आयुक्त औषधि दिनेश कुमार तिवारी और ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान को मुख्यालय अटैच किया गया।। इनको निर्देशित किया जाता है कि वह कानपुर नगर में उपरोक्तानुसार समस्त वैधानिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए दिनांक 17 अक्टूबर को मुख्यालय में योगदान आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त रोशन जैकब को बनाए जाने के बाद ही अफसर सक्रिय हो गए थे। नशीली दवाओं और कोडिन सिरप को लेकर शासन से लगातार दिशा निर्देश जारी किए जा रहे, लेकिन कानपुर के सहायक आयुक्त औषधि और ड्रग इंस्पेक्टर की ओर से कोई तेजी नहीं दिखाई जा रही थी। शासन को अफसरों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद रोशन जैकब का कानपुर में औचक निरीक्षण ने पहले ही तबादले की पटकथा लिख दी गई थी।

अफसरों का लगी फटकार

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
03

सालों से नेपाल तक बेची जा रही नशीली और नकली दवाएं, कानपुर के अफसरों को भनक नहीं

खाद्य आयुक्त के छापेमारी से हड़कंप, शासन करेगा 'सोते' अफसरों पर कार्रवाई

नशीली और मिलावटी दवाओं का गढ़ बनता जा रहा कानपुर

पूरे यूपी से लेकर नेपाल तक सप्लाई

कमिश्नर रोशन जैकब के शहर में आने की खबर जैसे ही खाद्य एवं औषधि विभाग के अफसरों को मिली, तो सनसनी मच गई। निरीक्षण को पहले ही अन्य जिलों से करीब पांच ड्रग इंस्पेक्टर बुला लिए गए थे। कुछ मेडिकल स्टोर्स की जांच के बाद भी रिपोर्ट दर्ज न होने पर कमिश्नर ने औषधि विभाग के अफसरों को खासी डांट लगाई।

सर्किट हाउस पहुंचने के बाद टीमों में सभी ड्रग इंस्पेक्टर को अलग अलग मेडिकल स्टोर्स को भेजा गया।

रोशन जैकब खुद एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार के साथ पहले कोपरगंज स्थित मेडिकल गोदाम और फिर बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स (विनोद अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल) मेडिकल स्टोर पहुंची। यहां गोदाम.–दुकान दोनों को सील करने और रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया गया।

मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स के गोदाम पर औषधियों के भण्डारण, व्यवस्था एवं रख–रखाव में कई अनियमितताएं पायी गयी। कई ब्राण्डों के कोडीनयुक्त कॅफ सीरप एवं अन्य नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों की भारी मात्रा के साथ–साथ कई प्रकार की अवसानित औषधियों की भारी मात्रा एक साथ भण्डारित पायी गयी।

विक्रय प्रतिष्ठान से कम्प्यूटर को जान बूझकर हटा दिया गया तथा इसके स्वामी मौके पर स्वयं उपस्थित नहीं हुए, जिससे इनकी नॉरकोटिक्स श्रेणी के औषधियों के अवैध व्यवसाय में संलिप्तता स्पष्ट परिलक्षित होती है। मेसर्स मेडिसना हेल्थकेयर एवं मेसर्स वेदांस फार्मास्युटिकल्स, मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स से सम्बन्धित है एवं इनके द्वारा भी कोडीनयुक्त कॅफ सीरप एवं नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के विक्रय में अनियमितताएं की गयी हैं। मेसर्स आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने इस संबंध में औषधि विक्रेताओं के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट व बीएनएस के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश संबंधित निरीक्षक को दिए।

नशे का काला कारोबार

सालों से अग्रवाल ब्रदर्स नशे का कारोबार कर रहे थे। हिमाचल की लेबोरेट कंपनी से अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे के सिरप को खरीदा था। वह लेबोरेट कंपनी का बड़ा डीलर है। उनके खिलाफ लखनऊ से भी काफी सबूत मिले हैं। इसके लिए आयुक्त को खुद आकर छापेमारी करनी पड़ी। जिसमें बड़े पैमाने पर गोरखधंधे का खुलासा हुआ है। इससे शहर में चल रही कार्रवाई पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो रहा।

पूरे यूपी से लेकर नेपाल तक सप्लाई

अग्रवाल ब्रदर्स ने नशे का कारोबार बड़े पैमाने पर फैला रखा। हिमाचल से माल मंगाकर गाजियाबाद, लखनऊ से लेकर कोपरगंज के गोदाम में रखता था। लेबोरेट कंपनी से उसने कप सिरप को मंगाया। फिर उनको यूपी 90 हजार बोतल नशे में प्रयोग होने वाले कफ सिरप को मंगाया। अलग-अलग जगहों पर अन्य खेप के साथ बेचा है। इसकी पुष्टि हिमाचल से बिक्री करने वाली कंपनी के जरिए ड्रग विभाग को मिली है। नशीले दवाओं की सप्लाई नेपाल तक की जा रही है।

इन फर्मों एवं इनके गोदामों का निरीक्षण किया गया

1. मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स, बिराहना रोड, कानपुर, प्रोपराइटर-विनोद अग्रवाल
2. मेसर्स मेडिसना हेल्थकेयर, कोपरगंज, पार्टनर अनमोल गुप्ता एवं शिवम अग्रवाल
3. मेसर्स वेदांस फार्मास्युटिकल्स, बिराहाना रोड, प्रोपराइटर अनमोल गुप्ता
4. मेसर्स मोसाईको एजेन्सीज, कोपरगंज, पार्टनर अभिषेक शर्मा एवं मंजू शर्मा

इन फर्मा की कार्यवाही की समीक्षा की गयी

1. मेसर्स एएस हेल्थकेयर
2. मेसर्स बालाजी मेडिकल्स
3. मेसर्स माँ दुर्गा मेडिकोज
4. मेसर्स आरएस हेल्थकेयर

इन एनडीपीएस की धाराएं जोड़ने का निर्देश दिया

मेसर्स बालाजी मेडिकल्स,
मेसर्स माँ दुर्गा मेडिकोज,
मेसर्स एएस हेल्थकेयर,
मेसर्स आरएस हेल्थकेयर

107 लोगों का खुफिया एजेंसियों ने सत्यापन किया शुरू

» स्लीपिंग मॉड्यूल की तलाश,छात्र-छात्राएं भी रडार पर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। डॉ. शाहीन का कानपुर कनेक्शन मिलने के बाद पुलिस, क्राइम ब्रांच, एलआईयू समेत सभी खुफिया एजेंसियों ने शहर में निगहबानी तेज कर दी है। एटीएस, एनआईए और आईबी से मिले इनपुट के आधार पर पूर्व में आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की गोपनीय जांच की जा रही है।

फरीदाबाद में 2900 किलो विस्फोटक मिलने और दिल्ली में हुए धमाके की आरोपी डॉ. शाहीन सिद्दिकी का कानपुर कनेक्शन मिलने के बाद खुफिया एजेंसियों ने शहर में निगहबानी तेज कर दी है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, एलआईयू, लोकल इंटेलीजेंस ने सौ से अधिक लोगों की गतिविधियों पर नजर गड़ा दी है।

इनमें पूर्व में विस्फोट करने व आतंकियों के संपर्क में पाकिस्तान से आकर बसे और तकनीकी व शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई कर रहे छात्र–छात्राएं व शोधार्थी शामिल हैं। यह कार्य गुपचुप तरीके से किया जा रहा है। दिल्ली धमाके की एटीएस, एनआईए और आईबी अलग–अलग जांच कर रही है।

तेज तर्रार अधिकारियों की टीम तैयार

सभी अपने स्तर पर इनपुट एकत्रित कर रहे हैं। केंद्रीय व मुख्यालय की इंटेलीजेंस से कुछ इनपुट मिले हैं। इसके आधार पर कमिश्नरी पुलिस के आईपीएस और तेज तर्रार अधिकारियों की टीम तैयार हो गई है। यह टीम शक के घेरे में आए लोगों के सत्यापन करने और उनकी गतिविधियों की जांच में जुट गई है।

टीम में शामिल पुलिस अधिकारी

जांच टीम में जेसीपी कानून व्यवस्था आशुतोष कुमार, जेसीपी अपराध विनोद कुमार सिंह, सभी डीसीपी और अन्य आईपीएस शामिल हैं। यह शक के घेरे में आ रहे लोगों की पूरी रिपोर्ट तैयार करेंगे। अगर उनसे कोई केंद्रीय टीम जानकारी करती है तो उसमें सहयोग करेंगे।

सुबह से लाइन लगाने पर मिल रही एक बोरी खाद

तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं खत्म हो रही किल्लत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर, बिल्हौर (कानपुर)। क्षेत्र में खाद की किल्लत अब भी बनी हुई है। सहकारी समितियों पर किसानों की लंबी कतारें हर दिन देखी जा रही हैं। सुबह से लाइन में लगने के बाद भी किसानों को सिर्फ एक बोरी डीएपी खाद मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि पर्याप्त खाद न मिलने से गेहूं की बुआई पिछड़ रही है, वहीं आलू, मटर, चना और सरसों की बुआई पर भी असर पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि वे सुबह से समिति पहुंच जाते हैं और शाम तक लाइन में खड़े रहते हैं, तब जाकर एक बोरी खाद मिलती है। इतनी मात्रा में खाद फसल के लिए बिल्कुल पर्याप्त नहीं है। मजबूरी में उन्हें बाजार से महंगे दामों पर खाद खरीदनी पड़ रही है। बाजार में डीएपी की एक बोरी 1650 से 1800 रुपये तक में बिक रही है, जबकि सरकारी दर 1350 रुपये तय है। एडीओ सहकारिता रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि क्षेत्र की सभी समितियों में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। कई किसान एडवांस में डीएपी खरीद रहे हैं, जिससे कुछ जगहों पर अस्थायी कमी नजर आ रही है। समितियों पर एनपीके और नैनो यूरिया जैसी अन्य खादें भी उपलब्ध हैं। अधिकारी ने कहा कि नई डीएपी रैक आने पर सभी समितियों को खाद भेजी जाएगी।

इस समय खेतों में आलू, मटर, चना और सरसों की बुआई चल रही है। वहीं 15 नवंबर से गेहूं की बुआई का समय शुरू हो रहा है। किसानों का कहना है कि अगर खाद की आपूर्ति जल्द नहीं सुधरी तो फसलों की बुआई प्रभावित होगी।

हर बूथ पर नियुक्त हुए बीएलए

बिल्हौर में सपा ने बढ़ाया पार्टी संगठन पर फोकस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी ने संगठन को बूथ स्तर तक मज़बूत करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय सिंह यादव और पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथों की बीएलए सूची तैयार कर एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित को सौंप दी।

विनय यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी अब हर बूथ पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। इसके तहत प्रत्येक बूथ पर जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को बीएलए नियुक्त किया गया है, जो मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में सहयोग करेंगे और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनता से सीधा संवाद स्थापित कर संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं।

सूची सौंपते समय हरिओम पांडे, पंकज यादव, अंशुमान यादव, हरेंद्र गौतम सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया।

पुलिस ने ढूंढ निकाला लापता अरहान, खुशी से रो पड़ा पिता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। आठ साल का मासूम अरहान बुधवार की दोपहर खेलते-खेलते घर से कहीं दूर चला गया। शाम ढलने लगी तो घर में हड़कंप मच गया। परिजनों ने मोहल्ले में तलाश की, रिश्तेदारों को फोन किए, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। घबराए परिवार ने रात में थाना बिल्हौर पहुंचकर पुलिस से मदद मांगी।

सूचना मिलते ही कोतवाल अशोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय हो गई। कस्बा इंचार्ज प्रेमवीर सिंह सहित पुलिसकर्मियों ने रेलवे स्टेशन, बाजार और मुख्य मार्गों पर सघन तलाश शुरू कर दी। घंटों की मेहनत के बाद पुलिस को सफलता मिली अरहान को रेलवे स्टेशन के पास सकुशल पा लिया गया।

बच्चे को थाने लाया गया तो पिता की आंखों से राहत के आंसू छलक पड़े। उन्होंने बेटे को सीने से लगाकर बिल्हौर पुलिस का शुक्रिया अदा किया।

कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर दर्दनाक हादसा, दो की मौत

सड़क पार कर रहे थे पैदल, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर। कानपुर- अलीगढ़ हाईवे पर कन्नौज से कानपुर की ओर जा रहे दो व्यक्तियों की बुधवार देर रात सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों की मोटरसाइकिल रास्ते में खराब हो गई थी, जिसके बाद वे पैदल सड़क पार कर रहे थे कि तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा प्रियांशी पेट्रोल पंप, मेडुआ के पास रात करीब 10 बजे हुआ। मृतकों की पहचान शिव कपूर (23 वर्ष) पुत्र प्रीतपाल सिंह निवासी लेबर कॉलोनी, गोविंद नगर और दीपक कपूर (42 वर्ष) पुत्र स्व. जोगिंदर सिंह निवासी विद्यार्थी मार्केट, गोविंद नगर, कानपुर नगर के रूप में हुई है।

दोनों कन्नौज से कानपुर लौट रहे थे। रास्ते में बाइक खराब हो जाने के बाद उन्होंने सड़क पार करने की कोशिश की, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सम्पादकीय

सजग मजबूत तंत्र विफल करेगा आतंकी मंसूबे

सुरक्षा की दृष्टि से चाकचौबंद मानी जाने वाली देश की राजधानी में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके ने कई ज्वलंत सवालों को जन्म दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के छिद्रों को पाटने की जरूरत के साथ चेताया है कि हमारी जरा सी चूक से आतंकवादियों को फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। अब जब मामले की जांच देश की शीर्ष खुफिया एजेंसियां कर रही हैं तो जांच के निष्कर्ष ही हकीकत बताएंगे। लेकिन धमाके का स्तर और उससे हुई जनधन की हानि चिंता बढ़ाने वाली है। निश्चित ही यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। सवाल यह भी उठता है कि चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी कैसे इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संवेदनशील इलाके में ले जाने में सफल हुए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर के रास्ते उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक फैले कश्मीरी डॉक्टरों के एक समूह ने घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे देश को चौंकाया कि समाज में दूसरे भगवान का दर्जा पाने वाले डॉक्टर कैसे लोगों के चिथड़े उड़ाने वाले कृत्य को अंजाम दे सकते हैं? उनकी उस शपथ का क्या हुआ जो डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद लोगों की जीवन रक्षा के लिए लेते हैं? अब तक यह मान्यता रही है कि आतंकवादी संगठनों से वे लोग ही जुड़ते हैं, जो कम पढ़े-लिखे होते हैं और विध्वंसकारी ताकतों के बहकावे में आकर आतंकवाद की राह में उतर जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस आतंक के स्लीपर सैल में डॉक्टरों के समूह का शामिल होना बेहद चिंता का विषय है। जो समाज के उस विश्वास को तोड़ता है कि डॉक्टर हमेशा जीवन देने वाला ही होता है। भविष्य में यह खतरनाक प्रवृत्ति अन्य व्हाइट क़ॉलर जॉब करने वाले समूह को भी घातक रास्ते पर ले जा सकती है। ऐसे में हमें लाल किले के निकट घटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और आसन्न खतरे को महसूस भी करना चाहिए।

बहरहाल, लाल किले के निकट की घटना एक आतंकी साजिश थी या बड़ी साजिश को अंजाम देने निकले अपराधियों की चूक से समय से पहले घटी घटना, ये एनआईए की जांच से ही पता चल सकेगा।`। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी में हुई घटना के चलते भविष्य के खतरे के मद्देनजर सभी दृष्टिकोणों से मामले की जांच की जानी चाहिए। शायद इसी कारण से दिल्ली पुलिस ने यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम व अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच का दायरा बढ़ाया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के प्रश्न भी हमारे सामने हैं कि कैसे अपराधी इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ राजधानी में ले जाने में सफल हुए। जिसके चलते भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। याद रहे कि अतीत में भी कई बार दिल्ली को आतंक से दहलाने की कोशिशें हुई हैं। हमें उन घटनाओं से भी सबक लेने की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के मामले में जरा सी चूक भी व्यापक क्षति का सबब बन सकती है। देश को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को विफल बनाने और आम लोगों का जीवन सुरक्षित बनाने के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

पराली समस्या के समाधान के लिए कारगर पहल

क्षमा शर्मा

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने लघु और सीमांत किसानों को मुफ्त में मशीनें देने का निर्देश दिया है। इसलिए, सरकार को सीएचसी के परिचालन खर्चों को शामिल करने के लिए पूंजी सब्सिडी का कुछ हिस्सा दोबारा आवंटित करना चाहिए। देश के उत्तरी राज्यों ने खेतों में आग जलाने की घटनाओं को शून्य स्तर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन अक्तूबर और नवंबर माह में पराली जलने की घटनाओं से हवा में पार्टिकुलेट मैटर का स्तर राष्ट्रीय मानकों से तीन-चार गुना अधिक हो जाता है।

इससे निपटने के लिए भारत सरकार ने सुपर सीडर जैसी लगभग 2.5 लाख फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों के वितरण, लगभग 32,800 कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) स्थापित करने और जागरूकता अभियान चलाने जैसे कदमों पर 2800 करोड़ रुपये (2018-24) से अधिक धनराशि खर्च की है। सैद्धांतिक रूप से, ये मशीनें गैर-बासमती धान की संपूर्ण 33 लाख हेक्टेयर खेती के लिए पर्याप्त हैं।अभी लगभग 40 प्रतिशत मशीनें सीएचसी के माध्यम से संचालित होती हैं, जिनको 80 प्रतिशत मशीनरी सब्सिडी मिलती है। सीएचसी महंगे कृषि उपकरणों को किसानों को रियायती किराए पर देते हैं, जिससे सुपर सीडर जैसी मशीनें उनकी खरीद लागत के सिर्फ 10-33 प्रतिशत खर्च पर मिल जाती हैं। इन लाभों के बावजूद सीएचसी का इस्तेमाल करने की दर काफी कम है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर ने पंजाब के 11 जिलों में किसानों के बीच एक सर्वेक्षण किया था, जिसमें पाया गया कि इन-सीटू पराली प्रबंधन अपनाने वाले पंजाब के 58 प्रतिशत किसानों में से आधे से अधिक किसानों ने किराए की मशीनों का इस्तेमाल किया था, लेकिन इनमें से सिर्फ 15 प्रतिशत किसानों ने ये मशीनें सीएचसी से ली थीं। मशीनों की समय पर उपलब्धता, बेहतर रखरखाव, मशीनों के गलत इस्तेमाल और मशीनों को लौटाने में देरी जैसे कारणों से किसानों के लिए सीएचसी से मशीनें किराए पर लेना जोखिम भरा सौदा हो जाता है, जो इनका इस्तेमाल घटा देता है। सीईईडब्ल्यू के विश्लेषण से पता चलता है कि 45 एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के लिए मशीनों को किराए पर लेना अधिक लाभकारी रहता है। फसल अवशेष प्रबंधन के सतत उपायों को किसान किफायती दरों पर अपना सकें, इसके लिए सर्वप्रथम, सीएचसी के परिचालन खर्च को शामिल करने के लिए सीआरएम कैपिटल सब्सिडी योजना में सुधार करना चाहिए। मशीनों की मरम्मत और रखरखाव पर सीएचसी को बहुत अधिक खर्च करना पड़ता है, जो किराए से उनकी आय का 35-55 प्रतिशत तक होता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने लघु और सीमांत किसानों को मुफ्त में मशीनें देने का निर्देश दिया है। इसलिए, सरकार को सीएचसी के परिचालन खर्चों को शामिल करने के लिए पूंजी सब्सिडी का कुछ हिस्सा दोबारा आवंटित करना चाहिए। इससे मशीनों को अच्छे रखरखाव के साथ किराए पर देने में मदद मिलेगी, जिससे सीएचसी की उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। दूसरा, सीएचसी के सर्विस डिलीवरी का आकलन और उच्च प्रदर्शन करने वाले सीएचसी को पुरस्कृत करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करना चाहिए। अस्सी प्रतिशत मशीनरी सब्सिडी के बावजूद, सीएचसी को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनने के लिए मशीनों को पर्याप्त भूमि पर पराली प्रबंधन में इस्तेमाल करना पड़ेगा। पंजाब के 3 जिलों की 65 सीएचसी में किए गए सीईईडब्ल्यू के अध्ययन के अनुसार, 48,000 रुपये की रियायती दर पर खरीदी गई सुपर सीडर मशीन को अगले पांच वर्षों में अपनी पूरी लागत निकालने के लिए प्रति वर्ष लगभग 105 एकड़ (42 हेक्टेयर) भूमि पर काम करने की जरूरत होती है।

हल्की ठंड के मौसम में रोगों से खुद को रखें सुरक्षित

बैक्टीरिया और वायरस

जयंती लाल भंडारी

सुबह-शाम की हल्की सर्दी के इस मौसम में वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर में पहुंच कर हमारे इम्यून सिस्टम पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। सर्दी-जुकाम, गले में खराश, डायरिया, डिहाइड्रेशन, वायरल, अस्थमा व फ्लू जैसी संक्रामक बीमारियां...सुबह-शाम की हल्की सर्दी के इस मौसम में वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर में पहुंच कर हमारे इम्यून सिस्टम पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। सर्दी-जुकाम, गले में खराश, डायरिया, डिहाइड्रेशन, वायरल, अस्थमा व फ्लू जैसी संक्रामक बीमारियां खासकर बुजुर्गों व बच्चों को चपेट में ले लेती हैं।

क्रॉनिक रोगों का खतरा बढ़ जाता है।

इन बीमारियों से सुरक्षा व उपचार को लेकर दिल्ली स्थित सीनियर फिजीशियन डॉ. जे रावत से रजनी अरोड़ा की बातचीत। दस्तक देता सर्दी का मौसम अपने साथ लाता है - सुबह-शाम धीरे-धीरे बढ़ती हल्की ठंड और दिन में ह्यूमिडिटी से भरा वातावरण। हवा शुष्क होती जाती है। जो वातावरण में मौजूद जहरीली गैसों, डस्ट पार्टिकल्स, फूलों के परागकणों, पराली के धुएं के कारण प्रदूषित भी हो जाती है। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया और वायरस हमारे शरीर में पहुंच कर हमारे इम्यून सिस्टम पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। सर्दी-जुकाम, गले में खराश, डायरिया, डिहाइड्रेशन, वायरल, फ्लू, निमोनिया जैसी संक्रामक बीमारियां देखने को मिलती हैं। डेंगू, स्वाइन फ्लू, चिकनगुनिया जैसी बीमारियां भी बड़ी

तादाद में लोगों को होती हैं। जिनसे अस्थमा जैसी सांस संबंधी बीमारियों, डायबिटीज, हृदय रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, थॉयरायड जैसे क्रॉनिक डिजीज के पेशंट को इस दौरान काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सर्दी-जुकाम या फ्लू वातावरण में मौजूद वायरस से या फिर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से किसी व्यक्ति को फ्लू होता है। जैसे राइनोवायरस से वायरल राइनाइटिस इंफेक्शन। आम सर्दी-जुकाम जहां एक सप्ताह में ठीक हो जाता है, वहीं वायरल राइनाइटिस लंबे समय तक रहता है और हमारे फेफड़ों को प्रभावित करता है। अचानक बुखार आना, नाक ब्लॉक होने से सांस लेने में तकलीफ, नाक से पानी बहना, गले में खराश, सिर दर्द आदि हो सकता है। वायरल के लिए पेशंट को पैरासिटामोल, एस्पिरीन जैसी दवाइयां दी जा सकती हैं, लेकिन तकलीफ ज्यादा होने पर डॉक्टरी परामर्श लेना ही बेहतर है। फ्लू या निमोनिया वैक्सीन लगाया जाता है। डॉक्टर हाईजीन का ध्यान रखने, खाना बनाने या खाने से पहले हाथ धोने, प्रोटीन, मिनरल्स से भरपूर डाइट लेने के लिए कहते हैं। डायरिया वातावरण में ह्यूमिडिटी होने से इस मौसम में पनपने वाले रोटावायरस और नोरोवायरस खाने-पीने की चीजों को दूषित कर देते हैं।

ऐसा भोजन या पानी पीने से पेट में गैस्ट्रोइंटेराइटिस इंफेक्शन यानी डायरिया हो जाता है। मरीज को लूज मोशन या उल्टियां आती हैं, डिहाइड्रेशन हो जाता है। पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द, मरोड़ के साथ दस्त, तेज बुखार जैसी समस्याएं होती हैं। ऐसे में पीड़ित को ओआरएस का घोल या नमक-चीनी की शिकंजी लगातार देते रहें। प्रोबॉयोटिक्स दही लें। उल्टी रोकने के लिए डॉमपेरिडॉन और लूज मोशन रोकने के लिए रेसेसाडोट्रिल दवाई दी जाती है। आधा-एक घंटे के गैप में नारियल पानी, नींबू पानी, दाल का पानी के साथ-साथ खिचड़ी, दलिया जैसा हल्का-फुल्का खाना ले सकते हैं। श्वास संबंधी बीमारियां बदलते मौसम में इम्यूनिटी कमजोर पड़ने से अस्थमा या दमा , ब्रोंकाइटिस जैसी श्वास संबंधी क्रॉनिक बीमारियां ज्यादा देखी जाती हैं। कमजोर फेफड़ों पर ज्यादा असर होता है। सांस की नली में सूजन होने से सांस लेने में तकलीफ होती है। इसे क्रॉनिक पल्मोनरी डिजीज कहा जाता है।

दिल्ली ब्लास्ट केस: कार्डियोलॉजी तक पहुँचा आतंकी नेटवर्क का साया

दिल्ली धमाके की जांच में कानपुर कनेक्शन गहराया, मेडिकल नेटवर्क के उजागर होने की आशंका

» डा शाहीन के नेटवर्क से जुड़ा एक और नाम, एटीएस ने डॉक्टर आरिफ को दबोचा

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली बम धमाके की जांच में कानपुर का नेटवर्क और गहराता जा रहा है। गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में तैनात रही जैश से जुड़ी संदिग्ध डॉ. शाहीन सईद के बाद अब एक और डॉक्टर का नाम सामने आया है। बुधवार देर शाम एटीएस ने हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी) से डीएम की पढ़ाई कर रहे डॉक्टर मोहम्मद आरिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

आरिफ जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग का निवासी है।सूत्रों के मुताबिक, शाहीन और आरिफ के बीच कई वर्षों से संपर्क था और

दोनों देशविरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

यह खुलासा होने के बाद जांच एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं। एटीएस का मानना है कि कानपुर में डॉ. शाहीन के नेटवर्क से जुड़े कई और लोग शहर में सक्रिय हो सकते हैं।

शाहीन के फोन से मिले संदेशों में आरिफ का नाम, कार्डियोलॉजी विभाग में मचा हड़कंप

वर्ष 2006 से 2013 तक मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉ. शाहीन ने नई सड़क, यतीमखाना, बेकनगंज और दादामियां जैसे क्षेत्रों में एक गुप्त नेटवर्क खड़ा किया था।

अब जांच में पता चला है कि शाहीन का संपर्क कार्डियोलॉजी के डॉक्टर आरिफ से भी था।

एटीएस सूत्रों के अनुसार, आरिफ को बुधवार शाम अशोक नगर स्थित किराए के मकान से उठाया गया, जहां वह नीट-एसएस 2024 बैच के छात्र के रूप में रह रहा था। उसका मोबाइल फोन बंद है,

और देर रात स्वरूप नगर पुलिस ने कार्डियोलॉजी विभाग पहुंचकर जानकारी जुटाई।डॉक्टरों का कहना है कि आरिफ ने बुधवार को ही इमरजेंसी ड्यूटी पूरी की थी, उसके बाद से वह लापता है। विभाग के अंदर अब एटीएस की कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज है।

बाबूपुरवा में महिला से सामूहिक दुष्कर्म और अब हलाला का दबाव

» कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर किया दुष्कर्म, विरोध पर मुंडवा दिए बाल

» निकाह के बाद भी शोषण,धार्मिक गुरु के सामने जबरन तलाक के कागज पर कराए हस्ताक्षर

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बाबूपुरवा की एक महिला ने चार लोगों पर सामूहिक दुष्कर्म और हलाला का दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि आरोपितों ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश किया और फिर दुष्कर्म किया।

विरोध करने पर बाल मुंडवा

दिए और शिकायत करने पर धमकियां देने लगे। पीड़िता के अनुसार, वह तलाकशुदा है और अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ रहकर काम करती थी। काम के दौरान एक युवक से पहचान हुई, जिसने शादी और बेटी को अपनाने का वादा किया। कुछ समय बाद वह लिव-इन रिलेशन में रहने लगी। 19 जून 2024 की रात युवक अपने भाई और दो दोस्तों के साथ घर पहुंचा और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।इसके बाद युवक ने धमकियों के बीच एक जनवरी 2025 को निकाह किया, लेकिन उसका शारीरिक और मानसिक शोषण जारी रहा। आरोप है कि युवक ने धार्मिक गुरु के सामने जबरन तलाक के कागजों पर हस्ताक्षर कराए और बाद में हलाला के लिए दबाव बनाया।पीड़िता ने बताया कि उसने बाबूपुरवा थाने में तहरीर दी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उसने चारों आरोपितों पर सामूहिक दुष्कर्म, धोखाधड़ी और धार्मिक उत्पीड़न के तहत कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस आयुक्त ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का

महाराजपुर में ओम ज्वैलर्स कांड का खुलासा मुठभेड़ में चोर गिरफ्तार

» पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी गुलफाम के पैर में लगी गोली

» उन्नाव निवासी है आरोपित, 33 लाख की ज्वैलरी चोरी में था शामिल

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। महाराजपुर में बीती 1 नवंबर को ओम ज्वैलर्स से 33 लाख रुपये के जेवरात चोरी करने वाले गिरोह का राजफाश गुरुवार तड़के पुलिस मुठभेड़ के दौरान हो गया। सुनहला चौकी क्षेत्र के महुआगांव मोड़ के पास पुलिस और आरोपित के बीच हुई मुठभेड़ में चोरी के एक मुख्य आरोपी को गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया। गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है। उसकी पहचान उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र निवासी करीब 30 वर्षीय गुलफाम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुलफाम वही चोर है जो ओम ज्वैलर्स की वारदात में शामिल था। घटना के खुलासे के बाद पुलिस अब प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले से पर्दा उठाएगी।बीती एक नवंबर की सुबह महाराजपुर कस्बे में हाईवे किनारे स्थित ओम ज्वैलर्स में तीन नकाबपोश बाइक सवार चोरों ने धावा बोला था। दुकान से 32 लाख से अधिक के जेवरात और 65 हजार रुपये नकद लूटकर वे फरार हो गए थे। वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी।पीड़ित सर्राफ भोलेंद्र वर्मा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने क्राइम ब्रांच, सर्विलांस व थाने की 10 टीमें लगाई थीं। गुरुवार तड़के गश्त के दौरान जब पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को रुकने का इशारा किया, तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी

स्वराज इंडिया

सर्राफा दुकान में सेंधमारी 33 लाख का माल चोरी

कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी।थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी साथियों की तलाश जारी है।

महर्षि विद्या मंदिर हमीरपुर के बच्चों ने किया नगर निगम मुख्यालय का शैक्षणिक भ्रमण

महापौर ने बच्चों से की आत्मीय बातचीत, दिखाया कार्यकारिणी कक्ष व सदन

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर।महर्षि विद्या मंदिर, हमीरपुर के बालक–बालिकाओं ने आज अपराह्न 1 बजे नगर निगम मुख्यालय, मोतीझील का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने महापौर से भेंट कर नगर निगम के कार्यप्रणाली से संबंधित अनेक जिज्ञासाएँ रखीं। महापौर ने बच्चों के प्रश्नों का सहजता से उत्तर देते हुए उन्हें नगर निगम की कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं और शहर की स्वच्छता व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। साथ ही बच्चों को कार्यकारिणी कक्ष, निगम सदन एवं मोतीझील परिसर का भ्रमण भी कराया।महापौर ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नवपीढ़ी ही हमारे शहर और देश का भविष्य है, ऐसे शैक्षणिक भ्रमण बच्चों में जनसेवा और नागरिक जिम्मेदारी की भावना जगाते हैं। भ्रमण के दौरान बच्चों ने नगर निगम की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा और उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बारा कोल्ड स्टोर अग्निकांड में जलकर नष्ट हो गए कई सवाल !

» लाखों की बर्बादी के साथ कंप्यूटर ऑपरेटर की मौत पर मचा हड़कंप

» हादसे में एक कर्मचारी की झुलसकर मौत, मालिक पर लापरवाही के आरोप

» कई घंटे तक बंद रहा नेशनल हाइवे, लोगों में रोष

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बारा गांव स्थित आनंदेश्वर कोल्ड स्टोर में बुधवार देर रात लगी भीषण आग से लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। इस हादसे में कोल्ड स्टोर का कंप्यूटर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि कोल्ड स्टोर में आलू और अन्य खाद्य पदार्थों का भारी भंडारण था, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक आग इतनी तेज थी कि आसपास के क्षेत्रों में धुआं फैल गया। दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कोल्ड स्टोर के अधिकांश हिस्से जल चुके थे। घटना में कोल्ड स्टोर का कंप्यूटर ऑपरेटर अंदर ही फंस गया, जिसकी मौत हो गई।

परिजनों का आक्रोश, हाइवे जाम से घंटों ठप रहा यातायात

कर्मचारी की मौत की जानकारी परिजनों को करीब 20 घंटे बाद मिली, जिससे आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने कानपुरङ्कइटावा नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया और कोल्ड स्टोर मालिक पर हत्या और लापरवाही का आरोप लगाते हुए सख्त कार्यवाही की मांग की।

मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि मृतक के परिवार को दैवीय आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की सहायता राशि तत्काल दी जाएगी। इसके अलावा मंत्री ने बताया कि कोल्ड स्टोर मालिक से 15 लाख रुपये मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

हजारों वाहन बिना टोल दिए निकले

जाम के दौरान बारा टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। टोल बूथ बंद न हो पाने के कारण हजारों वाहन बिना शुल्क दिए निकल गए। टोल प्रबंधक मनोज शर्मा ने बताया कि पुलिस लगातार ट्रैफिक नियंत्रित करने में जुटी रही ताकि हाईवे पर स्थिति न बिगड़े।स्थानीय प्रशासन ने कहा कि जब तक मृतक के परिवार को घोषित मुआवजा राशि नहीं मिल जाती, तब तक कोल्ड स्टोर को दोबारा संचालित नहीं किया जाएगा।

हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और रोष का माहौल है। ग्रामीणों ने कोल्ड स्टोर मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और आग के कारणों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कानपुर देहात: मंटोरा ओवरब्रिज के पास दो बाईकों की टक्कर में दो गंभीर घायल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियाँ थाना क्षेत्र में बुधवार को एक सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मंटोरा ओवरब्रिज के पास हुआ, जहां दो बाइको में आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि एक बाइक पर सवार दो लोग सड़क पर गिर गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। रनियाँ थाना क्षेत्र के चिराना गाँव के निवासी शिवम (29) और कीर्ति (13) एक बाइक से चिराना की ओर जा रहे थे। उसी दौरान, विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। इस हादसे में शिवम और कीर्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना होते ही दूसरी बाइक का सवार मौके से फरार हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही रनियां थाना में तैनात हेड कांस्टेबल शैलेंद्र कुमार तत्काल घटनास्थल मौके पर पहुँचे। उन्होंने बिना देर किए राष्ट्रीय राजमार्ग (हाइवे) की एंबुलेंस के माध्यम से दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।इस संबंध में जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर, रनियाँ ने बताया कि दोनों घायलों को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बाइकों को थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है। पुलिस ने कहा है कि परिजनों से तहरीर मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

तकनीकी खामी से अटकी सीएचसी रसूलाबाद की नई लैब

ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के लिए भी करना होगा थोड़ा और इंतजार

» लाखों रुपए खर्च के बाद भी अब तक नहीं हुई शुरू

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। प्रदेश सरकार की एक ही छत के नीचे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहिम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर अत्याधुनिक लैब तैयार की जा रही हैं। इसी क्रम में रसूलाबाद स्थित महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लैब का निर्माण तो पूरा कर लिया गया, लेकिन तकनीकी खामी के चलते उसका संचालन अब तक शुरू नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार, लैब निर्माण करने वाले ठेकेदारों ने भवन निर्माण के दौरान विद्युत अर्थिंग की व्यवस्था नहीं की, जिसके कारण मशीनें अभी चालू नहीं हो पा रहीं। नतीजतन, नई जांच सेवाओं के लिए मरीजों को अन्यत्र भटकना पड़ रहा है।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमित कुमार ने बताया कि विद्युत अर्थिंग से जुड़ी समस्या को दूर कराया जा रहा है। जल्द ही लैब का संचालन शुरू होगा, जिससे क्षेत्र के मरीजों को और बेहतर जांच सुविधाएं मिल सकेंगी। लैब के शुरू हो जाने पर करीब 20 नई जांचें नि:शुल्क उपलब्ध हो जाएंगी, जिनमें लीवर और किडनी फंक्शन टेस्ट प्रमुख होंगे। वर्तमान में सीएचसी पर 20 जांचें पहले से ही नि:शुल्क होती हैं। नई लैब के चालू होने के बाद कुल लगभग 40 प्रकार की जांचें एक ही छत के नीचे मुफ्त की जा सकेंगी। इसी परिसर में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (ब्क्का।) का भी निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। भवन की रंगाई-पुताई और अन्य कार्य समाप्त हो चुके हैं, परंतु विद्युत और जल की समुचित व्यवस्था के अभाव में इसका संचालन भी फिलहाल शुरू नहीं हो पाया है।स्थानीय लोग उम्मीद जता रहे हैं कि तकनीकी दिक्कतें दूर होते ही लैब और ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट दोनों शुरू हो जाएंगे, जिससे क्षेत्र के मरीजों को जांच और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अब दूर नहीं जाना पड़ेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

चित्रकूट में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं पर भड़की जनता

समाजसेवी प्रिंस केसरवानी ने अनोखे अंदाज़ में किया प्रदर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। जिले की जर्जर हो चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ अब आम जनता खुलकर आवाज उठा रही है। गुरुवार को समाजसेवी एवं व्यापारी प्रिंस केसरवानी ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने शहरभर में जगह-जगह बदहाल स्वास्थ्य सेवा, आम जनता की आवाज कौन सुनेगा? लिखे पोस्टर लगवाए, जिससे आम लोगों का ध्यान इस गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित हुआ।

इसके बाद हजारों समर्थकों के साथ प्रिंस केसरवानी ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में दो प्रमुख मांगें रखी गईं—पहली, जिला अस्पताल को रेफर सेंटर बनने से रोकने की, और दूसरी, खोह अस्पताल को ट्रामा सेंटर घोषित करने की।समाजसेवी विनोद केशरवानी ने बताया कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। किसी भी मरीज को जिला अस्पताल में उचित इलाज नहीं मिल रहा। हर गंभीर मरीज को सीधे प्रयागराज (120 किमी) या कानपुर (180 किमी) रेफर कर दिया जाता है।उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल अब इलाज केंद नहीं, बल्कि रेफर सेंटर बनकर रह गया है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में न्यूरो, गैस्ट्रो और कार्डियोलॉजी जैसे विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव है। सड़क हादसे में घायल मरीजों को भी बिना इलाज

रेफर कर दिया जाता है, जिससे कई बार जान पर बन आती है।प्रिंस केसरवानी ने कहा कि उन्होंने जनता के साथ मिलकर इस आंदोलन की शुरुआत की है और यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक जिला अस्पताल की स्थिति सुधर नहीं जाती और खोह अस्पताल को ट्रामा सेंटर का दर्जा नहीं मिल जाता।

इस मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने एक सुर में कहा कि चित्रकूट को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं चाहिए, वादे नहीं।

कानपुर जोन के एडीजी आलोक सिंह एक्शन मोड में

» झांसी में पुलिस अफसरों को दिया सख्त अल्टीमेटम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी।कानपुर जोन के तेजतर्रार एडीजी आलोक सिंह बुधवार को झांसी पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस लाइन स्थित सभागार में झांसी रेंज के अधिकारियों के साथ मासिक अपराध एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में एडीजी ने पुलिस कप्तानों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए हर थाने और चौकी स्तर पर नियमित पैदल गश्त और संदिग्धों की गहन चेकिंग अनिवार्य रूप से की जाए। एडीजी ने हाल ही में दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए बम विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी जिलों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

आलोक सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हर जिले में सक्रिय अपराधियों पर नकेल कसने, वारंटियों की गिरफ्तारी और साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि थानों में आने वाले फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनकी शिकायतों का तत्काल निस्तारण हो।इस समीक्षा बैठक में झांसी रेंज के आईजी आकाश कुलहरि, एसएसपी झांसी बी.बी.जी.टी.एस मूर्ति, एसपी जालौन डॉ. दुर्गेश कुमार और एसपी ललितपुर मोहम्मद मुश्ताक सहित तमाम अधिकारी मौजूद रहे।

एडीजी आलोक सिंह के सख्त तेवरों से पुलिस महकमे में एक बार फिर सक्रियता और अनुशासन की नई ऊर्जा देखने को मिली है।

समर कैंप में लगा दिया जी-जान, नहीं मिला भुगतान

» बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मनमानी शिक्षा मित्र और अनुदेशक परेशान

» शासन से बजट मिलने के बाद भी अफसर नहीं दे रहे ध्यान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में समर कैंप का शिक्षामित्र और अनुदेशक वेतन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रत्येक कर्मी को 6000 रुपए मानदेय का वादा किया गया था। 4 माह से अधिक बीत जाने के बाद भी इसका भुगतान नहीं किया गया है। यही हाल अल्प मानदेय पाने वाले शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के लिए हो रहा है।बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इस वर्ष जिले के सभी उच्च प्राथमिक एवं संविलयन विद्यालयों में 21 मई से 10 जून तक समर कैंप का आयोजन करने के निर्देश दिए गए थे। इस समर कैंप में जब शिक्षक शिक्षिकाएं अपनी छुट्टी मना रहे थे तब परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को समर कैंप संचालन का आदेश दिया गया। सभी शिक्षामित्र और अनुदेशकों ने भीषण गर्मी में समर कैंप का संचालन किया गया। शासन की ओर से समर कैंप के संचालन हेतु 6000रु प्रति कर्मचारी की दर से मानदेय देने का आदेश भी दिया गया। शासन की ओर से समर कैंप का बजट आए लगभग 2 माह होने जा रहे है है। लेकिन जिले के बेसिक शिक्षा विभाग ने अपनी मनमानी करते हुए समर कैंप में लगे लोगो को मानदेय देना जरूरी ही नहीं समझा। समर कैंप के 4 माह बीत चुके है कोई सुध नहीं ले रहा है। आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष महेन्द्र पाल ने जब इस सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा कार्यालय में इसकी बार बार गुहार लगाई ओर पीड़ा व्यक्त की तब कही जाके वहां के जिम्मेदार लोगों ने थोड़ा ध्यान देना जरूरी भी समझा है लेकिन फिर अभी तक उनका मानदेय अधर में ही लटका पड़ा हुआ है ।अब अफसरों की कार्यशैली में सवाल खड़ा हो रहा है अफसर क्या करना चाहते है।

क्या बोले बेसिक शिक्षा अधिकारी......

इस प्रकरण को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा से संपर्क किया है बताया है कि समर कैंप के आयोजन का जल्द ही शिक्षामित्र और अनुदेशकों का भुगतान किया जा रहा है।

अयोध्या के डफरिन अस्पताल में प्रसूता को नहीं मिली एम्बुलेंस

» धरती पर तड़पती ज़िंदगी... और सरकार के पहिए थम गए

» इंसानियत सड़क पर दम तोड़ती रही

» वीडियो वायरल, प्रशासन के चेहरे से नकाब उतर गया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।सरकार कहती है हर मरीज को मिलेगा इलाज, हर संकट में पहुंचेगी एम्बुलेंस। पर हकीकत यह है कि अस्पताल के बाहर ज़मीन पर तड़पती प्रसूता की चीखें भी सरकार के 108 सिस्टम को नहीं जगा सकीं। अयोध्या के जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन) का यह दृश्य किसी हॉस्पिटल का नहीं, सरकारी संवेदनहीनता की प्रयोगशाला का था। यह वही पल था जब किसी ने वीडियो बना लिया और इंसानियत का यह नंगा सच सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। स्वराज इंडिया इस वायरल वीडियो की पुष्टि नही करता है।

बता दे कि बभनावा, थाना इनायतनगर निवासी बंदना, पत्नी आशीष, प्रसव पीड़ा में जिला महिला चिकित्सालय लाई गई थी। स्थिति गंभीर हुई तो डॉक्टरों ने उसे दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजनों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को फोन किया पर फोन की घंटियां तो बजीं, पहिए नहीं चले। घंटों बीत गए, पर एम्बुलेंस नहीं आई। प्रसूता ज़मीन पर तड़पती रही सरकारी फ्रमातृसेवा योजनाफ्र कागज़ पर मुस्कुराती रही। जब दर्द बढ़ता गया, और सरकारी गाड़ी नहीं आई, तो परिजनों ने खुद एक निजी वाहन बुक किया।प्रसूता को कपड़े में लपेटकर, सड़क पर से उठाया गया,और दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया।

वीडियो वायरल होते ही स्वास्थ्य महकमा हिल गया। 108, 102 एम्बुलेंस सेवा के अफसरों ने खबर को दबाने की कोशिश की मीडिया से कहा गया, कृपया यह खबर न चलाएं। लेकिन वीडियो ने वह कर दिखाया जो विभाग नहीं कर पाया सच्चाई को जनता के सामने ला दिया।

डफरिन अस्पताल में यह पहला मामला नहीं है। अक्सर देखा गया है कि 108 सेवा या तो कॉल सेंटर की भूलभुलैया में फंस जाती है, या फिर चालक लोकेशन नहीं मिली कहकर जिम्मेदारी से बच निकलता है।और जब तक गाड़ी चलती है मरीज दम तोड़ देता है।इस बार वह मरीज एक मां बनने जा रही महिला थी। यानी यह हादसा नहीं, सरकारी लापरवाही की डिलीवरी थी।

स्वराज इंडिया का सवाल–

जब एम्बुलेंस सेवा का नंबर 108हो,पर उसका जवाब 'एरर 404 –सर्विस नॉट फाउंड' आए तो क्या इसे सिस्टम की गलती कहें या संवेदनहीनता का अपराध?प्रसूता तो अब सुरक्षित है, पर सवाल यह है कि जिन अफसरों ने खबर दबाने की कोशिश की,क्या उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई होगी? या फिर यह मामला भी बाकी मामलों की तरह फ्रजांचफ्र के झोले में डालकर भुला दिया जाएगा? सरकार भले आंकड़ों में दिखाए कि हमने हर गांव तक एम्बुलेंस पहुंचाई,लेकिन अयोध्या के डफरिन

अस्पताल की मिट्टी अब जानती है यहां ज़िंदगी सड़क पर तड़पती है, और सिस्टम एसी दफ्तरों में आराम फरमाता है।

बिहार का रण, यूपी की सियासत का सेमीफाइनल बनेगा !

» योगी और अखिलेश की राजनीतिक परीक्षा पटना की जमीन पर नतीजे तय करेंगे 2027 का यूपी चुनावी भविष्य

» 15 को बिहार चुनाव का आएगा परिणाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना/लखनऊ। बिहार का विधानसभा चुनाव इस बार सिर्फ एक राज्य की सत्ता की जंग नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति का सेमीफाइनल बन गया है। बिहार में हो रही राजनीतिक हलचल की गूंज अब यूपी तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में एक भी प्रत्याशी नहीं उतारा, लेकिन पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में उतर गए। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पिछले दस दिनों में बिहार की जमीन पर तीस से अधिक जनसभाएं और एक रोड शो कर अपनी मौजूदगी का अहसास कराया।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि बिहार के नतीजे सीधे तौर पर 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे।

पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों पर 65.08 प्रतिशत वोटिंग हुई, जो 2020 के मुकाबले लगभग 7.79 प्रतिशत अधिक है। यह उत्साह इस बात का संकेत है कि जनता इस बार बदलाव के मूड में है। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर करीब 3.70 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे।

बिहार की 243 में से लगभग 34 सीटें यूपी की सीमा से सटी हैं, जहां दोनों राज्यों के लोगों का रहन-सहन, बोली और जातीय समीकरण लगभग एक जैसा है। इसलिए

यहां के नतीजों का असर यूपी की सियासत पर पड़ना तय है।

बिहार का यह चुनाव केवल पटना की सत्ता की कहानी नहीं, बल्कि लखनऊ की सियासत का भी भविष्य लिखेगा।

अगर एनडीए जीतता है तो योगी का बुलडोजर मॉडल दोबारा गूंजेगा, और अगर महागठबंधन की वापसी होती है तो अखिलेश यादव के नेतृत्व में यूपी की विपक्षी राजनीति को नई ऊर्जा मिलेगी।

बिहार अब सिर्फ बिहार नहीं रहा , यह उत्तर प्रदेश की अगली सियासी पटकथा का प्रयोगशाला बन चुका है।

बिहार में रिकॉर्ड वोटिंग, क्या बदलाव के संकेत !

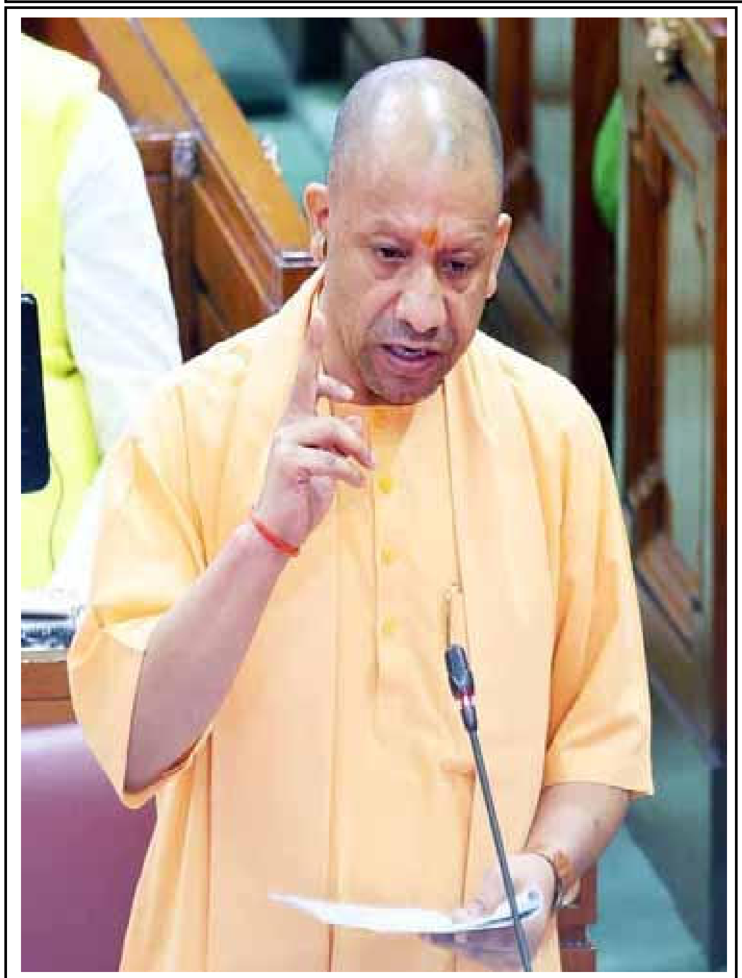

योगी का बुलडोजर मॉडल और एनडीए की उम्मीदें

2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी में झटका झेल चुकी भाजपा अब बिहार में एनडीए की जीत के जरिए सत्ता की हैट्रिक का माहौल बनाना चाहती है।

योगी आदित्यनाथ ने बिहार में एनडीए के 43 उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए हर सभा में अपने बुलडोजर मॉडल को केंद्र में रखा।

उन्होंने कहा कि यूपी में माफिया खत्म हुए, कानून का राज कायम हुआ और बिहार को भी अब उसी दिशा में बढ़ना चाहिए। भाजपा की रणनीति साफ है — बिहार की जीत से यूपी में मनोबल बढ़ाना।

अखिलेश की एंट्री, बिना प्रत्याशी भी सक्रिय प्रचार

वहीं, अखिलेश यादव ने बिहार में बिना उम्मीदवार उतारे भी सात दिनों में 28 जनसभाएं कीं और महागठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

उनके भाषणों में केंद्र सरकार और योगी सरकार पर तीखा हमला रहा। अखिलेश ने कहा — भाजपा की राजनीति झूठ और नफरत पर आधारित है, लेकिन जनता अब बदलाव चाहती है।

उन्होंने आरजेडी, कांग्रेस और वामदलों के साथ-साथ वीआईपी के उम्मीदवारों को समर्थन दिया।

मुस्लिम वोटों के बिखराव को रोकने की रणनीति

अखिलेश ने अपने सांसदों और विधायकों को बिहार के अलग-अलग हिस्सों में प्रचार की जिम्मेदारी दी।

अफजाल अंसारी, राजीव राय, इकरा हसन, अवधेश प्रसाद, ओम प्रकाश सिंह, आशु मलिक जैसे नेताओं को विशेष क्षेत्रों में भेजा गया।

इकरा हसन को सीमांचल की मुस्लिम बहुल सीटों पर उतारा गया ताकि ओवैसी की एआईएमआईएम के प्रभाव को सीमित किया जा सके। 2020 में एआईएमआईएम ने सीमांचल में पांच सीटें जीतकर सभी को चौंकाया था। अफजाल अंसारी ने कहा कि ओवैसी वही काम कर रहे हैं जो आरएसएस करता है, मुसलमानों को बांटने का।

यूपी की राजनीति पर सीधा असर

विश्लेषकों के अनुसार, अगर एनडीए बिहार में जीतता है, तो भाजपा के लिए यूपी में सत्ता वापसी की राह आसान होगी।

लेकिन अगर महागठबंधन विजयी होता है, तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक बल मिलेगा। इससे विपक्षी एकजुटता मजबूत होगी और अखिलेश यादव का राजनीतिक कद राष्ट्रीय स्तर पर उभरेगा। इस बार के चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार प्रमुख मुद्दे हैं।

2020 में राजद को 23.11त्न वोट और भाजपा को 19.46त्न वोट मिले थे। इस बार किसी भी दल का वोट शेयर 25त्न से ऊपर नहीं, जिससे मुकाबला बेहद कांटे का माना जा रहा है।

अयोध्या

फाइलें चलती हैं, कार्रवाई नहीं – भाजपा पार्षद का आरोप

भाजपा पार्षद विनय जायसवाल ने इस घोटाले पर तीन बार नगर आयुक्त और महापौर को पत्र लिखे।लेकिन जवाब मिला देखा जाएगा। जैसा कि नगर निगम अयोध्या में होता आया है,फाइलें चलती हैं, पर न्याय नहीं। विनय जायसवाल का कहना है कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों की आवाज को बौना साबित करने में लगे हैं। पार्षद प्रतिनिधि अभय श्रीवास्तव ने तो खुलासा किया कि अब उन्हीं खराब वाटर कूलरों की मरम्मत के नाम पर फिर से लाखों का टेंडर जारी हुआ है। जो कूलर एक साल भी नहीं चले, उन पर फिर पैसा उड़ाया जा रहा है। आखिर किसे बचाया जा रहा है?इस प्रकरण में अवर अभियंता शशिकला चौधरी और अनु जायसवाल के नाम प्रमुखता से सामने आए हैं। लेकिन जांच?जैसा कि हर बार होता है ठंडे बस्ते में। नगर निगम के भीतर सिस्टम और सिंडिकेट का गठजोड़ इतना मजबूत है कि कोई अफसर अब 'जांच' शब्द सुनकर भी नहीं कांपता। हर प्रोजेक्ट में कमीशन, हर बिल में कट यही अब निगम की पहचान बन चुकी है।

16 नवंबर को बोर्ड मीटिंग में 'विस्फोट' की तैयारी

भाजपा पार्षदों ने ऐलान किया है कि यह मुद्दा 16 नवम्बर की बोर्ड मीटिंग में ज़ोरदार तरीके से उठाया जाएगा। अब यह सिर्फ विपक्ष की लड़ाई नहीं, बल्कि भाजपा के भीतर से उठी बगावत है।

स्वराज इंडिया की जांच में यह भी सामने आया कि वाटर कूलर घोटाला कोई अकेला मामला नहीं, बल्कि निगम में रूटीन रैकेट की एक परत है। हर योजना में कमीशन, हर खरीद में कट यही अब नगर निगम अयोध्या की नई नीति बन चुकी है। जब विपक्ष आरोप लगाए तो उसे राजनीति कहा जा सकता है,लेकिन जब अपने ही पार्षद सवाल उठाएं, तो समझिए गलती अब छिप नहीं सकती। भाजपा के भीतर से उठी यह आवाज़ बता रही है कि अब नगर निगम अयोध्या में भ्रष्टाचार अपनी हद पार कर चुका है। और जब अपने ही नशेमन पर बिजलियाँ गिराने लगें, तो समझ लीजिए अब आग बुझाने के नहीं, राख उठाने के दिन आ गए हैं।

स्वराज इंडिया की स्पेशल इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट

ऑपरेशन वाटर कूलरः प्यास से ज्यादा भ्रष्टाचार की गहराई!

» नगर निगम अयोध्या में 'ठंडे पानी' के नाम पर गर्म कारोबार

- » अपने ही पार्षदों ने खोला भ्रष्टाचार का नल
- » जनता की प्यास बुझाने के नाम पर तर हो गईं जेई और ठेकेदार की जेबें
- » 81 कूलर लगे, पर सिर्फ कमीशन ठंडा नहीं हुआ
- » नगर निगम: जहां हर फाइल में बहता है फायदा
- » स्मार्ट सिटी नहीं, सिंडिकेट सिटी बन चुका है अयोध्या
- » अपने ही पार्षद बोले-अब हद पार कर चुका है भ्रष्टाचार
- » अवर अभियंता और अफसरों का गठजोड़ बना जनता की प्यास का दुश्मन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

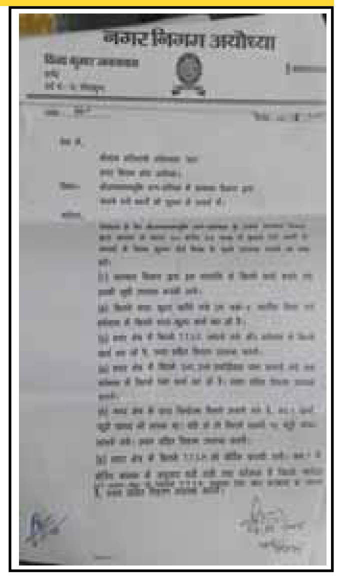
नगर निगम अयोध्या

अयोध्या।नगर निगम अयोध्या की गलियों में अब सिर्फ सीवर और पानी की बदबू नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की तीखी गंध भी बह रही है।जिस निगम को भाजपा की सरकार स्मार्ट सिटी मॉडल का चेहरा बता रही थी, अब वही नगर निगम भ्रष्टाचार का शो-रूम बन गया है और सबसे बड़ा झटका तब लगा,

जब आरोप लगाने वाले विपक्ष नहीं, बल्कि भाजपा के अपने पार्षद निकले। ऑपरेशन वाटर कूलर ने यह साबित कर दिया कि अब आग घर के अंदर लगी है और नगर निगम की दीवारें अंदर से दरक चुकी हैं।

बता दे कि जलकल विभाग ने जनता को राहत देने के नाम पर 81 वाटर कूलर लगाए थे गर्मी के मौसम में जनता के लिए शीतल सेवा का वादा किया गया।

लेकिन हकीकत यह निकली कि ठंडा पानी तो किसी ने नहीं पिया, पर ठेकेदारों और अफसरों की जेबें जरूर गर्म हो गईं। एक साल के अंदर ही सभी वाटर कूलर कबाड़ में बदल गए, और सूत्र बताते है कि निगम के अफसरों ने इस कबाड़ पर भी नया टेंडर जारी कर दिया मरम्मत के नाम पर फिर लाखों का खेल। यानी फ्जनता की प्यास से ज्यादा, सिस्टम की कमीशन की लत गहरी है।

अयोध्या के लिटिल फ्लॉवर स्कूल में धर्मांतरण का खेल !

- » हिंदू संगठनों का फूटा आक्रोश यह शिक्षा नहीं, धर्म परिवर्तन की कार्यशाला है!
- » चंदन और कलावा पर आपत्ति, ईसाई प्रतीकों पर ज़ोर

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या, (भरतकुंड) पवित्र अयोध्या की धरती पर मंगलवार को उस समय माहौल गरम हो गया जब लिटिल फ्लॉवर स्कूल में धर्मांतरण की आशंका को लेकर अभिभावकों और हिंदू संगठनों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन ने एक हिंदू छात्र को जबरन पादरी की पोशाक पहनने के लिए विवश किया और अन्य बच्चों पर शिखा व कलावा कटवाने का दबाव बनाया। मामला उजागर होते ही क्षेत्र में संघ परिवार से जुड़े संगठन हरकत में आए।

(संस्कारों पर कैंची, शिक्षा पर प्रहार!)

कथावाचक पवन देव महाराज की अगुवाई में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता विद्यालय पहुंचे और संस्कारों से खिलवाड़ नहीं चलेगा के नारों से परिसर गुंजा उठा।परिजनों ने आरोप लगाया कि स्कूल के एक शिक्षक ने हिंदू छात्र को चंदन और कलावा लगाने पर डांटा, यहाँ तक कि धार्मिक प्रतीकों का मज़ाक उड़ाया गया। इसी प्रताड़ना से आहत छात्र ने खुद को कमरे में बंद कर लिया था। मामले की सूचना फैलते ही आक्रोशित परिजन और संगठन के कार्यकर्ता स्कूल में पहुँच गए। जवाब मांगने पर भी जब प्रबंधन की ओर से कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं मिला, तो प्रदर्शन उग्र हो गया।

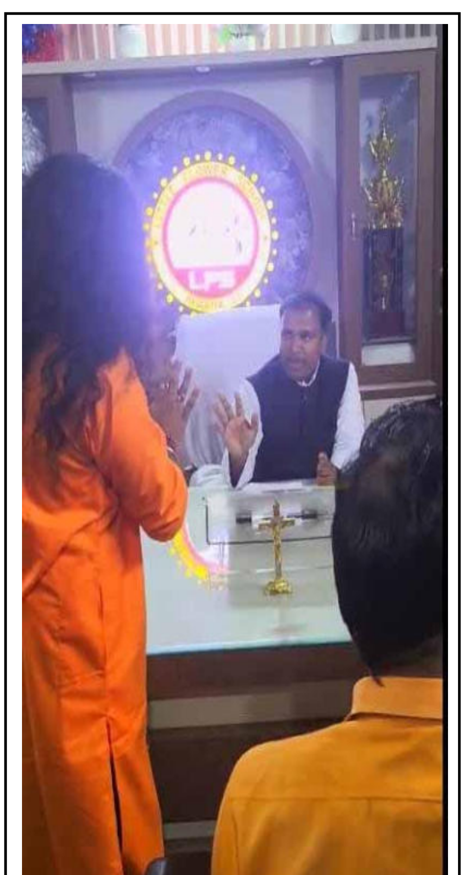

माफी से नहीं मिटेगा अपराधःबजरंग दल

बढ़ते दबाव के बीच विद्यालय के प्रिंसिपल ने माफी तो मांगी, लेकिन जैसे ही मीडिया के कैमरे उनकी ओर मुड़े, वे चेहरा छिपाते नज़र आए। हिंदू संगठनों व बजरंग दल के नेता सूर्यकांत पांडेय का कहना है कि यह माफी नहीं, अपराध का प्रमाण है। बजरंग दल के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि विद्यालय में ऐसी गतिविधियाँ दोहराई गईं, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

यह शिक्षा नहीं, मिशनरीकरण की परतें हैं-कथावाचक पवन देव महाराज

पवन देव महाराज ने कहा-हमारे बच्चों के संस्कार, हमारी पहचान, और हमारे धर्म पर सुनियोजित वार किया जा रहा है। शिक्षा के नाम पर ईसाईकरण की परतें फैल रही हैं। यह सिर्फ़ एक स्कूल का मामला नहीं, यह पूरी पीढ़ी की अस्मिता का प्रश्न है।प्रदर्शन के दौरान माहौल कुछ देर के लिए तनावपूर्ण रहा, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। स्कूल प्रबंधन ने धर्मांतरण के आरोपों पर बोलने से इनकार किया है। अयोध्या, जहाँ शबरी की भक्ति और हनुमान की निष्ठा का इतिहास सांस लेता है -वहाँ अगर किसी विद्यालय में शिखा कटवाने की सलाह दी जाए, तो यह सिर्फ़ एक घटना नहीं, संस्कृति पर हमला है। प्रश्न उठता है-क्या यह शिक्षा है या धर्मांतरण का सुसंस्कृत रूप?

बाराबंकी में भारी विस्फोट दो के उड़े चीथड़े, तीन घायल

दूर-दूर तक सुनी आवाज, आसपास के मकानों में आईं दरार

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बाराबंकी। बाराबंकी में टिकैतनगर थाना क्षेत्र के सराय बरई गांव में गुरुवार दोपहर एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनके शरीर के चीथड़े उड़ गए। तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी और आसपास के मकानों में दरारें आ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि दो मजदूरों के शरीर के परखच्चे उड़ गए। धमाके के बाद फैक्ट्री और आसपास के मकानों में आग लग गई। छोटे-छोटे विस्फोट लगातार होते रहे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

यूपी के बाराबंकी जिले में गुरुवार दिन में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। यह घटना

पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरा

टिकैतनगर थाना क्षेत्र के सराय बरई गांव में हुई, जब अचानक तेज धमाके की आवाज से पूरा गांव कांप उठा। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि इसकी आवाज दूर तक सुनी गई। घटना में दो लोगों के मौके पर ही मौत हो गई, जिनके शरीर के चिथड़े उड़ गएधमाका इतना भयानक था कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना मिलते ही टिकैतनगर पुलिस, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और राहत दल मौके पर पहुंच गए। घायल व्यक्तियों को पास के अस्पताल भेजा गया है, जहां घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि कई लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, धमाके के बाद भी छिटपुट विस्फोटों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि घटना किसी आतिशबाज़ी सामग्री या बारूद के अवैध भंडारण से जुड़ी हो सकती है। फिलहाल पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है।

इलाके में दहशत का माहौल

बाराबंकी प्रशासन और जिले के आला पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल इलाके में दहशत का माहौल है, और लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि घर या परिसर में किसी प्रकार का बारूद या विस्फोटक सामग्री तो नहीं रखी गई थी।

पुलिस ने 10 हजार के इनामी को साथी संग किया गिरफ्तार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

यूपी के अम्बेडकरनगर में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दस हजार रुपये का इनामी गोतस्कर शमशेर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पैर में गोली मारकर गोतस्कर को घायल कर दिया। घायल अपराधी को पुलिस ने पकड़कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर में भर्ती कराया है, जबकि उसके एक अन्य साथी हर्षित चौबे को भी पुलिस ने मौके से घेरा बंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

एडिशनल एसपी श्याम देव ने बताया कि बुधवार रात पुलिस मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम झारखंडी बाबा तिराहे पर पहुंची तो वहां मौजूद अभियुक्त पुलिस को देख कर भागने लगे खुद को घिरता देख अभियुक्त ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायरिंग झोंक दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में इनामी गोतस्कर शमशेर अली पुत्र जान मोहम्मद उर्फ सत्रु उर्फ शान मोहम्मद निवासी ग्राम मझगवांथाना कादीपुर, जनपद सुल्तानपुर गोली लगने से घायल हो गया। मौके से अभियुक्त का एक साथी हर्षित चौबे पुत्र शिवप्रताप निवासी कैमासपुर थाना कादीपुर जनपद सुल्तानपुर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। घायल अपराधी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां उस की स्थिति सामान्य है।

एसओ मालीपुर स्वतंत्र कुमार ने बताया कि मुठभेड़ के बाद मौके से एक अदद तमंचा और एक कारतूस, एक खोखा व एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है।घायल अपराधी और उसके साथी के खिलाफ आर्म्स ऐक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेजा गया है।

पुलिस को थी निरंतर तलाश

पुलिस के अनुसार, शमशेर लंबे समय से गोतस्करी समेत अन्य गंभीर अपराध के मामलों में वांछित चल रहा था और उसकी तलाश पुलिस को काफी दिनों से थी। मफरूर अपराधी पर दस हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। जिसे गिरफ्तार कर पुलिस को बडी सफलता मिली है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ मालीपुर स्वतंत्र कुमार मौर्य,एसओजी प्रभारी विनोद यादव,सर्विलांस प्रभारी प्रभाकांत तिवारी समेत अन्य एसओजी,सर्विलांस व पुलिस के जवान शामिल रहे।

लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस मुठभेड़ में पुलिस गिरफ्त में आया शमशेर का थाना मालीपुर व पड़ोसी जनपद थाना अखंड नगर में लंबा आपराधिक इतिहास है। अभियुक्त के विरुद्ध मालीपुर में गोवध, पशु क्रूरता, लोक संपत्ति निवारण अधिनियम समेत अन्य गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है जब कि अखण्डनगर में भी गोवध व पशु क्रूरता का मुकदमा दर्ज है।

डॉ. शाहीन बच्चों को भी नहीं रखती थी साथ

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। दिल्ली ब्लास्ट के बाद आतंकी गतिविधियों के आरोप में फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. शाहीन का निजी जीवन भी बहुत अच्छा नहीं गुजरा। आतंकी की गर्लफ्रेंड बनी डॉ. शाहीन का शादी के 10 वर्ष बाद उसका तलाक हो गया था। बच्चे भी उसके साथ नहीं रहते। यह खुलासा उसके भाई शोएब ने किया।

लालबाग क्षेत्र के खंधारी लेन स्थित डॉ. शाहीन और उसके भाई डॉ परवेज अंसारी के पैतृक आवास पर बुधवार को भी हलचल तेज थी। यहां उसके पिता मो. शाहिद और छोटे भाई शोएब का परिवार रहता है। कई बार आवाज देने के बाद घर से निकले शोएब ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शाहीन से मुलाकात हुए जमाना गुजर गया। घरेलू विवाद (भाई-बहन के बीच होने वाले झगड़ों) के चलते शाहीन ने परिवार से नाता तोड़ लिया था। उसका आना-जाना और बातचीत बिलकुल बंद थी। हमको यह भी नहीं पता था कि वह फरीदाबाद में रहती है। मीडिया में गिरफ्तारी के बाद जानकारी हुई कि वह कहां रहती है और किसी गलत गतिविधि में शामिल होने का आरोप लगा है।

शोएब ने बताया कि डॉ. शाहीन की शादी 2003 में हुई थी और विवाद के चलते 2013 में तलाक हो गया था। उसके दो बच्चे भी हैं, जो पिता के पास रहते हैं। यह पता है कि शाहीन डॉक्टर है। उन्होंने यह सवाल टाल दिया कि शादी कहां और किसके साथ हुई थी। डॉ. परवेज के भाई शोएब ने कहा कि जिस देश में हम रहते हैं, उसके खिलाफ किसी को कभी गलत नहीं सोचना चाहिए। अगर परवेज व शाहीन ने गलत किया तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। हालांकि शोएब ने कहा कि शाहीन से तो चार साल से बात नहीं हुई है पर परवेज से तो अक्सर बात होती थी। सात दिन पहले ही उससे मोबाइल पर हालचाल हुई थी। कभी ऐसा नहीं लगा कि उनका भाई कुछ गलत कर सकता है।

बिहार विधानसभा चुनाव के रिजल्ट पर बोले अखिलेश यादव

बरेली: एग्जिट पोल के नतीजे होंगे धराशाई, तेजस्वी की बनेगी सरकार

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बरेली। बरेली पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, पिछले चुनाव में भाजपा ने अपने हिसाब से अधिकारियों की जगह-जगह पोस्टिंग करा दी थी। उन्होंने आरोप लगाया, लोकसभा चुनाव में भाजपा के एजेंट बनकर अधिकारियों ने वोटिंग कराई थी। लाखों लोगों को वोट डालने से वंचित कर दिया था। अखिलेश यादव बरेली में बहेड़ी विधायक अताउर रहमान की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। शादी समारोह निपटाने के बाद अखिलेश ने प्रेस कान्फ्रेंस की। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के रिजल्ट पर भी विस्तार से चर्चा की। एग्जिल पोल में दिख रही एनडीए की जीत को अखिलेश ने गलत बताया। उन्होंने कहा, शुक्रवार को वोटिंग की गिनती शुरू होने के साथ ही एग्जिट पोल के सभी नतीजे धराशाई हो जाएंगे।

बिहार में तेजस्वी यादव की ही सरकार बनेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव बोले, अगर अधिकारी धांधली न करते तो परिणाम कुछ और होता।

अखिलेश ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। बोले-धांधली को लेकर हमने कई बार शिकायत की लेकिन चुनाव आयोग ने कोई ध्यान नहीं दिया। भाजपा सरकार हमेशा से लोगों का ध्यान असल मुद्दों से भटकाती रही है। एसआईआर को लेकर अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में एसआईआर का काम शुरू करके तीन महीने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को उलझा दिया है। अखिलेश ने सपा कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा, पीडीए प्रहरी बनकर हर वोट की रक्षा करें। किसी का वोट बने से ना छूटने पाए। हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस बार भाजपा का आयोग बनकर नहीं रहेगा।

मिलने को लेकर मची भगदड़, कई लोग रैंप पर गिरे

सपा जिला अध्यक्ष अगम मौर्य के यहां पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के आने पर कुछ देर के लिए भगदड़ मच गई। अखिलेश यादव से मिलने, हाथ मिलाने के चक्कर में जुटी भीड़ अनियंत्रित हो गई। लोगों में धक्कामुक्की होने लगी और आवास में घुसने की कोशिश के चलते अफरातफरी मच गई। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को भी पसीना छूट गया।